



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 21 मई, 2026

जारी करने का समय: 1500 घंटे

- विषय: (i) इस सप्ताह उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के मैदानी इलाकों और उससे सटे पूर्वी भारत में ऊष्ण लहर से भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति बनी रहने की संभावना है।
(ii) इस सप्ताह कई दिनों तक उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम तथा उत्तर-पूर्व और उससे सटे पूर्वी भारत में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून 2026 की प्रगति (अनुलग्नक I):

- ❖ मानसून की उत्तरी सीमा 6°N/70°E, 6°N/75°E, 7°N/80°E, 9°N/85°E, 12°N/90°E, 14°N/93°E, 16°N/96°E और 17.5°N/98°E से होकर गुजरती है।
- ❖ अगले 3-4 दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के दक्षिण-पूर्वी अरब सागर, कोमोरिन क्षेत्र, दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर के शेष भागों और पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ और भागों में आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ हैं।

आज, 21 मई, 2026 को सुबह 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:

- ❖ बिहार में छिटपुट स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (11-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में छिटपुट स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 80-100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी/तूफान के साथ गरज-चमक हुई; तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, ओडिशा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 50-75 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, उत्तराखंड, पश्चिमी मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, झारखंड, पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में छिटपुट स्थानों पर 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं।
- ❖ हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और आसपास के उत्तराखंड, विदर्भ के कई इलाकों में ऊष्ण लहर से भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति बनी रही; पूर्वी उत्तर प्रदेश और पूर्वी मध्य प्रदेश के कुछ स्थानों पर भी यही स्थिति रही। पंजाब के कई इलाकों में, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में, छत्तीसगढ़, ओडिशा और पश्चिमी मध्य प्रदेश के छिटपुट इलाकों में ऊष्ण लहर जैसी स्थिति बनी बनी रही।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ दिन का तापमान/अधिकतम तापमान (20-05-2026 तक): कल, उत्तर-पश्चिम, पश्चिम, मध्य, पूर्वी और उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत के निकटवर्ती क्षेत्रों में अधिकतम तापमान 40-47°C के बीच रहा। बांदा (उत्तर प्रदेश) में उच्चतम अधिकतम तापमान 48.0°C दर्ज किया गया।

- ❖ दिन का तापमान/अधिकतम तापमान में अंतर (20-05-2026 तक): कल, अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, पंजाब, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद, पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश और तटीय आंध्र प्रदेश और यनम के कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक ($> 5.1^{\circ}\text{C}$) रहा; असम और मेघालय, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के कुछ स्थानों पर भी यही स्थिति रही। विदर्भ के कुछ स्थानों पर तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहेगा; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, ओडिशा, झारखंड, पश्चिमी राजस्थान, पूर्वी राजस्थान, गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा तथा तेलंगाना में छिटपुट स्थानों पर भी तापमान सामान्य से अधिक रहेगा। छत्तीसगढ़ के अधिकांश स्थानों पर तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और रायलसीमा के कुछ स्थानों पर भी तापमान सामान्य से अधिक रहेगा; अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, बिहार, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में छिटपुट स्थानों पर भी तापमान सामान्य से अधिक रहेगा। दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे के कई स्थानों पर तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा; तटीय कर्नाटक और लक्षद्वीप में अधिकांश स्थानों पर भी तापमान सामान्य के आसपास रहा।
- ❖ 21-05-2026 तक रात्रि तापमान/न्यूनतम तापमान ओडिशा के कुछ स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) था; विदर्भ, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, बिहार, पूर्वी राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर यह सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) था; उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पूर्व भारत, मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मराठवाड़ा, विदर्भ, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना और रायलसीमा के कई स्थानों पर यह सामान्य से कम या सामान्य के आसपास रहा।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (अनुलग्नक II एवं III देखें):

- ❖ मध्य क्षोभमंडलीय पछुआ हवाओं में एक गर्त के रूप में पश्चिमी विक्षोभ मौजूद है, जिसका अक्ष लगभग 62° पूर्व देशांतर के अनुदिश 28° उत्तर अक्षांश के उत्तर में स्थित है।
- ❖ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में पंजाब और आसपास के क्षेत्रों पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में पूर्वी उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश से मणिपुर तक एक पूर्व-पश्चिम गर्त फैला हुआ है।
- ❖ निचले क्षोभमंडलीय स्तर में तटीय बांग्लादेश और आसपास के क्षेत्रों पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में पूर्वी उत्तर प्रदेश से दक्षिणी तटीय ओडिशा तक एक गर्त फैला हुआ है।
- ❖ अब निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में पछुआ हवाओं में एक गर्त लगभग 89° पूर्व देशांतर के अनुदिश 20° उत्तर अक्षांश के उत्तर में फैला हुआ है।
- ❖ दक्षिणी तटीय ओडिशा और आसपास के इलाकों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ मध्य बंगाल की खाड़ी से तमिलनाडु तक निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक गर्त फैला हुआ है।
- ❖ उत्तरी हरियाणा और आसपास के इलाकों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 23 से 25 मई के दौरान असम और मेघालय में छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर तक हल्की से मध्यम बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक) की संभावना है।
- ❖ 22, 26 और 27 मई को अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में, 21 मई को त्रिपुरा में और 23 से 25 मई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है; साथ ही 21 मई और 23 से 25 मई के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश की संभावना है।

- ❖ 21 और 22 मई को अरुणाचल प्रदेश में, और 22 से 25 मई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में हल्की से मध्यम बिजली के साथ गरज की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 21 से 26 मई के दौरान, केरल, माहे और लक्षद्वीप में 21 से 25 मई के दौरान, रायलसीमा और आंतरिक कर्नाटक में 21 मई को, और तेलंगाना में 21 और 22 मई को गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 21 से 25 मई के दौरान, और रायलसीमा और आंतरिक कर्नाटक में 22 से 25 मई के दौरान गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ तमिलनाडु में 21 से 27 मई के दौरान, केरल और माहे में 21 और 24 से 27 मई के दौरान, और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 22 से 25 मई के दौरान छिटपुट भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 21 से 27 मई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में, और 21 से 24 मई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 23, 26 और 27 मई को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में, 22 मई को बिहार में और 24 से 27 मई के दौरान, तथा 21 से 27 मई के दौरान झारखंड और ओडिशा में, छिटपुट से लेकर मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 21 और 22 मई को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में, 21 और 23 मई को बिहार में, 23 और 24 मई को झारखंड में, और 21 मई को ओडिशा में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 21 और 24 मई को बिहार में, 21 और 22 मई को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में, 25 से 27 मई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है; 23 मई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा की संभावना है; 21, 22 और 24 मई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में छिटपुट बहुत भारी वर्षा की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 23 मई को जम्मू-कश्मीर में, 22 मई को हिमाचल प्रदेश में, और 22 और 23 मई को उत्तराखंड में छिटपुट से लेकर मध्यम दर्जे की बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) की संभावना है।
- ❖ 21 और 22 मई को पंजाब में, और 22 मई को पश्चिमी राजस्थान में छिटपुट से लेकर मध्यम दर्जे की बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) की संभावना है।
- ❖ 21 और 22 मई को जम्मू-कश्मीर में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) की संभावना है।
- ❖ 21 और 22 मई को जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित, बाल्टिस्तान, मुजफ्फरबाद और हिमाचल प्रदेश में छिटपुट स्थानों पर ओलावृष्टि की संभावना है।
- ❖ पंजाब में 21 और 22 मई को और पश्चिमी राजस्थान में 22 मई को कुछ स्थानों पर धूल भरी आंधी चलने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ 21 मई को मध्य महाराष्ट्र में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक) के साथ छिटपुट हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ 27 मई 2026 तक पूरे देश में अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव होने की संभावना नहीं है।

ऊष्ण लहर, गर्म और आर्द्र मौसम, गर्म रात की चेतावनी:

- ❖ 21 से 27 मई के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के कई/कुछ इलाकों में ऊष्ण लहर से भीषण ऊष्ण लहर चलने की संभावना है; पंजाब में भी 21 से 27 मई के दौरान ऊष्ण लहर चलने की संभावना है।
- ❖ 21 से 27 मई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ/अलग-थलग इलाकों में और 25 से 27 मई के दौरान पश्चिमी राजस्थान में ऊष्ण लहर से भीषण ऊष्ण लहर चलने की संभावना है; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी 21 से 27 मई के दौरान ऊष्ण लहर चलने की संभावना है।
- ❖ 21 से 25 मई के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम के कुछ/अलग-थलग इलाकों में ऊष्ण लहर से भीषण ऊष्ण लहर चलने की संभावना है; पूर्वी मध्य प्रदेश में 26 और 27 मई को, पश्चिमी राजस्थान में 21 से 24 मई के दौरान और पूर्वी राजस्थान में 21 से 27 मई के दौरान; तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 21 और 22 मई को; बिहार और तेलंगाना में 21 से 24 मई तक; झारखंड में 22 और 23 मई को; ओडिशा में 21 से 25 मई तक ऊष्ण लहर चलने की संभावना है।
- ❖ 21 मई को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ इलाकों में ऊष्ण लहर चलने की प्रबल संभावना है।
- ❖ 21 से 25 मई तक ओडिशा के कुछ इलाकों में; उत्तर प्रदेश और विदर्भ में 21 से 23 मई तक; बिहार में 21 मई को; हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 21 और 22 मई को गर्म रातें रहने की प्रबल संभावना है।
- ❖ 21 से 26 मई तक गंगा के मैदानी इलाकों में पश्चिम बंगाल में; ओडिशा में 21 से 27 मई तक; तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 23 से 27 मई तक गर्म और आर्द्र मौसम रहने की संभावना है।

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 21 मई से 24 मई, 2026 के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

- ❖ **मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 21 मई से 26 मई, 2026 के दौरान इन इलाकों में न जाएं:**
- ❖ **बंगाल की खाड़ी:** 21 मई को मन्नार की खाड़ी, उससे सटे कोमोरिन इलाके, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में; 22 मई को मन्नार की खाड़ी, उससे सटे कोमोरिन इलाके, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के ज्यादातर हिस्सों में; 23 मई को मन्नार की खाड़ी, उससे सटे कोमोरिन इलाके, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में; 24 मई को मन्नार की खाड़ी, उससे सटे कोमोरिन इलाके, दक्षिण-पश्चिम के कुछ हिस्सों और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में; 25 मई को दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में; 21 से 23 मई के दौरान अंडमान सागर में न जाएं।
- ❖ **अरब सागर:** 21 मई को लक्षद्वीप, मालदीव और कोमोरिन इलाकों में, दक्षिण-पूर्व के कई हिस्सों और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में; 21 से 26 मई के दौरान सोमालिया तट के साथ और उससे दूर, तथा उससे सटे दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में न जाएं।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 21 से 24 मई 2026 (अनुलग्नक IV देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ बिहार: पूर्णिया (14)
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: मझियान (11)

कल सुबह 8:30 बजे से आज सुबह 8:30 बजे तक (भारतीय समयानुसार) तेज हवाएं (किमी प्रति घंटा में):

- ❖ ओडिशा: बोलांगीर 72, जान्हकुडा 52
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: मझियान 70
- ❖ तमिलनाडु, पुदुचेरी और कराईकल: नाथम_इसरो 65, शिवगंगा 57, अरियालुर 39, पेरम्बलुर 44, कोयंबटूर 44, विजयनगरम 44, कोविलपट्टी 48, तिरुचेंदूर 48।
- ❖ गांगेय पश्चिम बंगाल: नंदकुमार 52, खड़गपुर 50, झाड़ग्राम 43
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: श्री विजयपुरम 47
- ❖ उत्तराखंड: मुक्तेश्वर 46, कोसियाकुटोली 43, जौलीग्रांट 41, मटेला 37, रानीचौरी 35, पंतनगर 33, रानीखेत 31, ज्योलीकोट 31
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश: अशोकनगर 44
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: शहादा नंदुरबार 43, सांगली 37
- ❖ झारखंड: रांची, नेतरहाट 41
- ❖ पंजाब: होशियारपुर 41
- ❖ हरियाणा: ज़िंद 41
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: जीबी नगरॉक्स41, जालौनॉक्स35, हिंडोनियाफ37
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: सागर 39
- ❖ विदर्भ: वर्धा39
- ❖ मराठवाड़ा: अंबेजोगाई बीड 37, धाराशिव 31
- ❖ कोंकण और गोवा: कर्जत रायगढ़ 35, दापोलीरत्नागिरी 28
- ❖ छत्तीसगढ़: मुंगेली 31

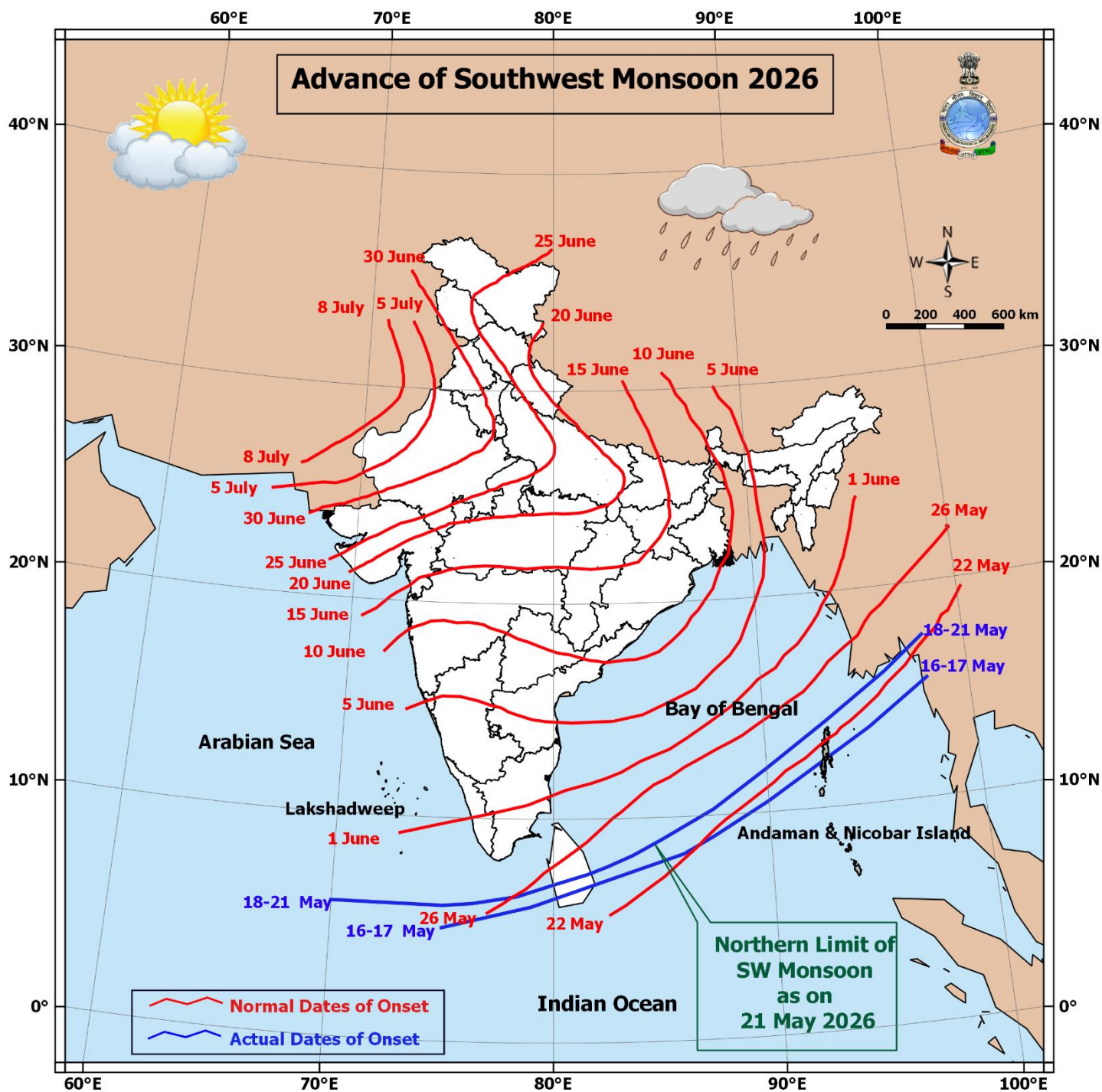
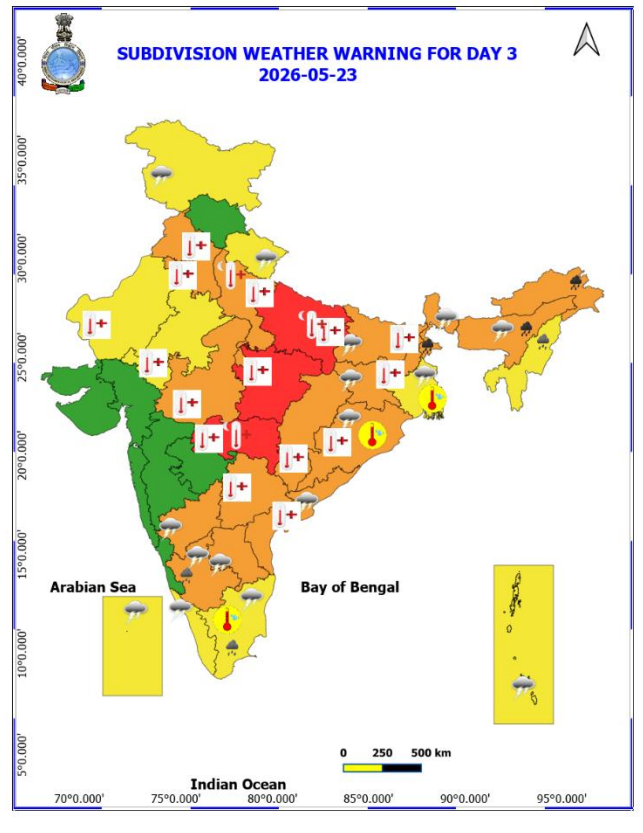
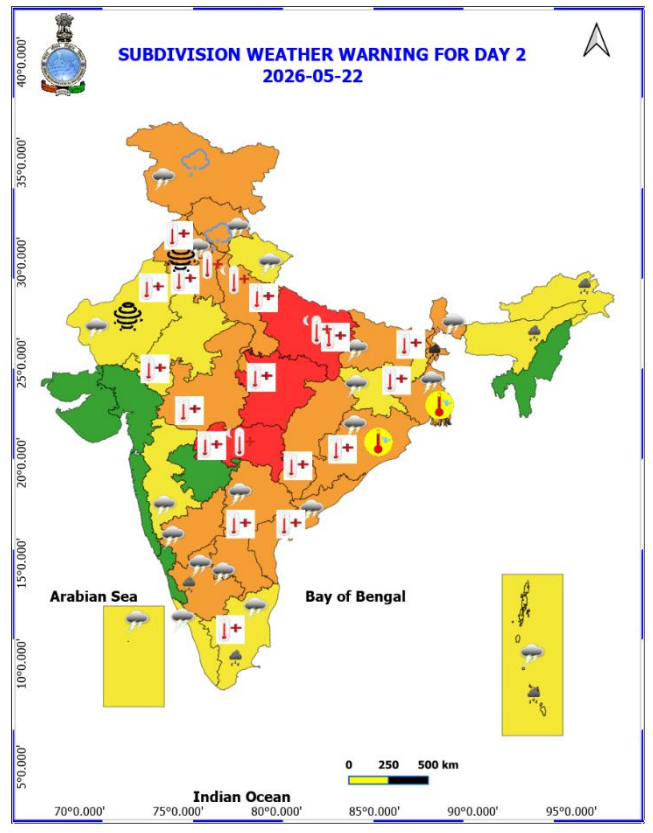
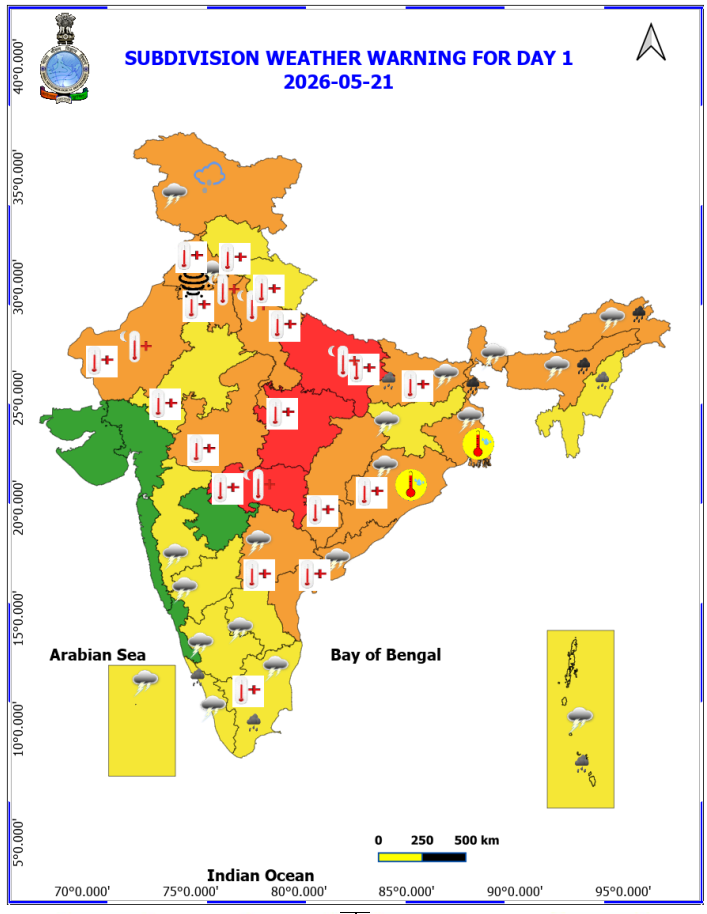
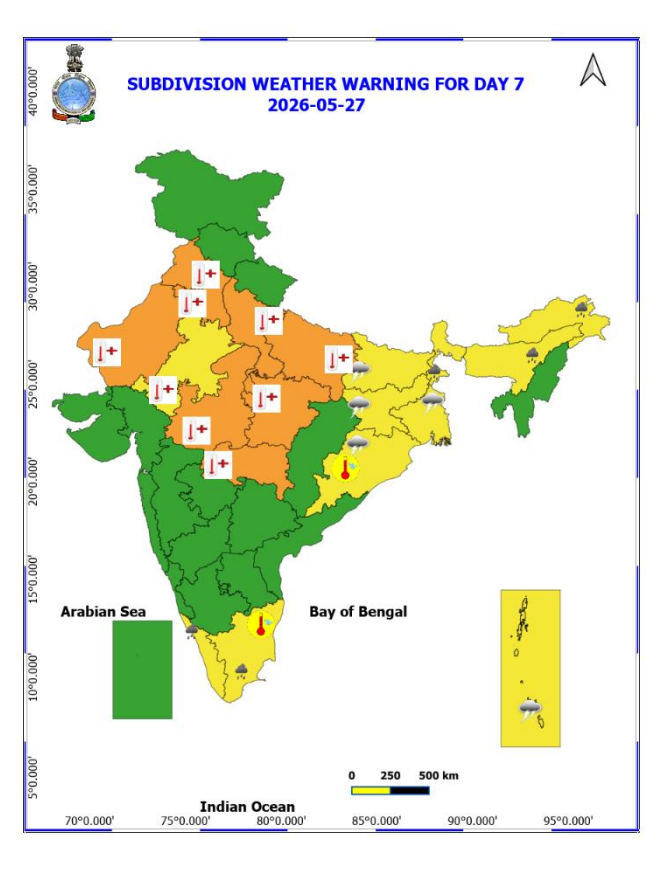
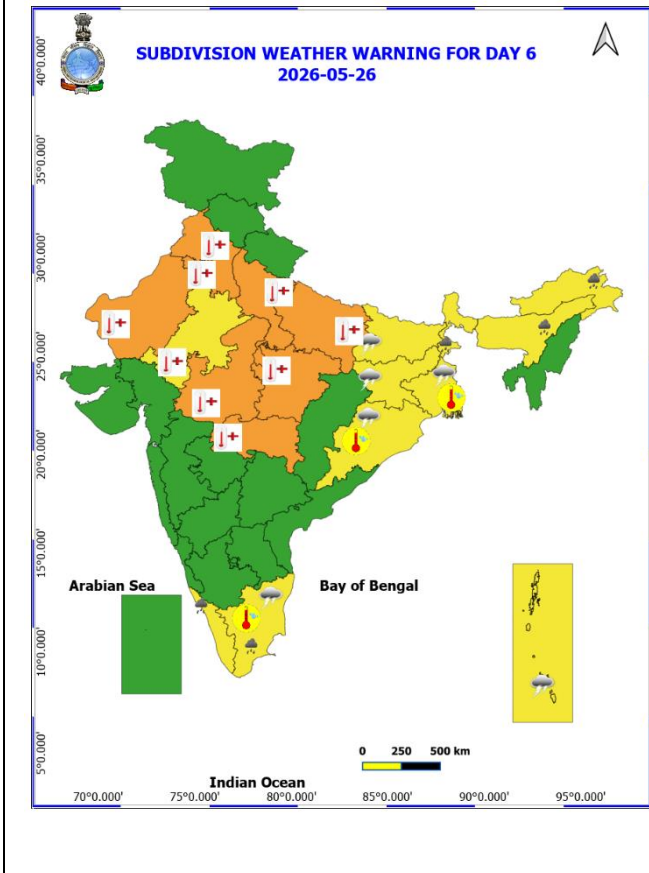
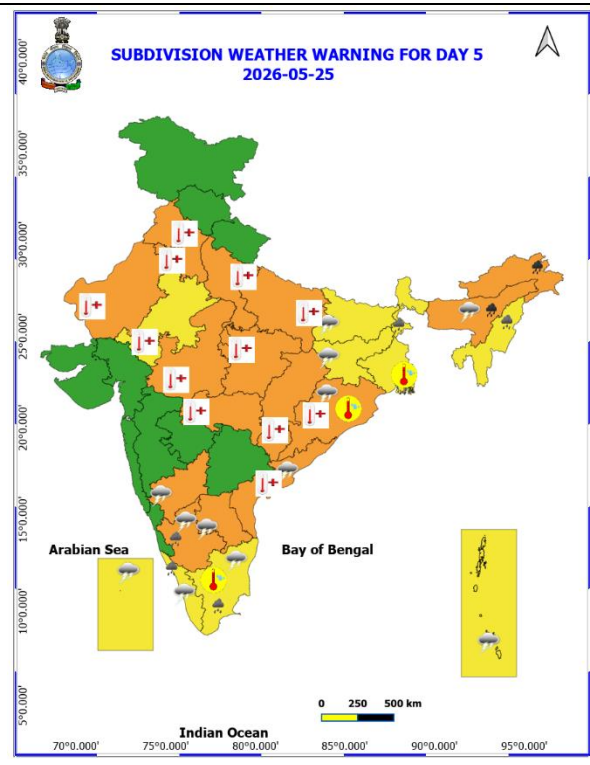
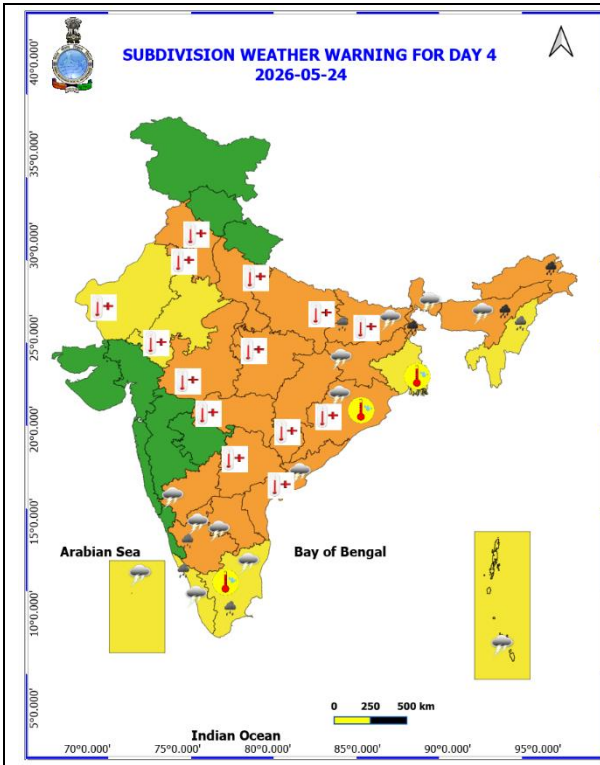


Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	21- May	22- May	23- May	24- May	25- May	26- May	27- May
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
7	ODISHA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
9	BIHAR	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

21 मई से 24 मई 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान में 1°C की मामूली गिरावट और न्यूनतम तापमान में 2-4°C की वृद्धि हुई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 45-46°C की सीमा में और न्यूनतम तापमान क्रमशः 27-32°C की सीमा में रहा। न्यूनतम तापमान कुछ अलग-अलग जगहों पर सामान्य से काफी अधिक (5.1°C या उससे अधिक) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य से काफी ऊपर (3.1°C से 5.0°C) रहा। अधिकतम तापमान कुछ अलग-अलग जगहों पर सामान्य से काफी अधिक (5.1°C या उससे अधिक), कई जगहों पर सामान्य से काफी ऊपर (3.1°C से 5.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य से ऊपर (1.6°C से 3.0°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान मुख्य रूप से साफ रहा और सतह पर हवा की गति दक्षिण-पश्चिम दिशा से 22 kmph तक रही। आज सुबह के समय इस क्षेत्र में आसमान मुख्य रूप से साफ रहने और सतह पर हवा की गति पश्चिम दिशा से 25 kmph तक रहने की संभावना है, जो कभी-कभी 45 kmph तक पहुँच सकती है।

मौसम पूर्वानुमान:

21.05.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। कई जगहों पर लू (Heat wave) की स्थिति रहेगी और कुछ अलग-अलग जगहों पर रात गर्म रहेगी। दिन के दौरान सतह पर लगातार तेज़ हवाएँ चलेंगी, जिनकी गति 20-30 kmph तक पहुँच सकती है और कभी-कभी 45 kmph तक हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 44°C से 46°C की सीमा में रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (5.0°C से ऊपर) रहेगा। दोपहर के समय सतह पर हवा मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति 20 kmph तक पहुँच सकती है। शाम और रात के दौरान हवा की गति बढ़ेगी और पश्चिम दिशा से 25 kmph तक हो जाएगी।

22.05.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। कुछ जगहों पर लू की स्थिति रहेगी और कुछ अलग-अलग जगहों पर रात गर्म रहेगी। दिन के दौरान सतह पर लगातार तेज़ हवाएँ चलेंगी, जिनकी गति 20-30 kmph तक पहुँच सकती है और कभी-कभी 45 kmph तक के झोंके भी आ सकते हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 44°C से 46°C और 30°C से 32°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के ज्यादातर स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान भी सामान्य से काफी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। सतह पर मुख्य रूप से पश्चिमी दिशा से हवाएँ चलेंगी, जिनकी गति सुबह के समय 25 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण-पश्चिमी दिशा से 22 kmph तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति और कम होकर पश्चिमी दिशा से 20 kmph तक हो जाएगी।

23.05.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। कुछ स्थानों पर लू (हीट वेव) की स्थिति रहेगी। दिन के दौरान सतह पर लगातार तेज़ हवाएँ चलेंगी, जिनकी गति 20-30 kmph तक पहुँच सकती है और कभी-कभी 45 kmph तक के झोंके भी आ सकते हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 44°C से 46°C और 30°C से 32°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के ज्यादातर स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान भी सामान्य से काफी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। सतह पर मुख्य रूप से पश्चिमी दिशा से हवाएँ चलेंगी, जिनकी गति सुबह के समय 20 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय सतह पर हवा की गति बढ़कर दक्षिण-पश्चिमी दिशा से 22 kmph तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर उत्तर-पश्चिमी दिशा से 20 kmph तक हो जाएगी।

24.05.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। कुछ स्थानों पर लू (हीट वेव) की स्थिति रहेगी। दिन के दौरान सतह पर लगातार तेज़ हवाएँ चलेंगी, जिनकी गति 20-30 kmph तक पहुँच सकती है और कभी-कभी 45 kmph तक के झोंके भी आ

सकते हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 44°C से 46°C और 29°C से 31°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान ज्यादातर जगहों पर सामान्य से काफी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान भी सामान्य से काफी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय सतह पर हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 25 kmph तक हो जाएगी। शाम और रात के समय सतह पर हवा की गति कम होकर पश्चिम दिशा से 15 kmph तक हो जाएगी।

लू की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- चेतावनी: लू की स्थिति की आशंका है; हालाँकि, तापमान सामान्य से ज्यादा रहने की संभावना है। स्वास्थ्य को मध्यम स्तर का जोखिम हो सकता है, खासकर कमजोर समूहों जैसे कि शिशुओं, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए।
- सलाह: ज्यादा देर तक गर्मी में रहने से बचें। हल्के व ढीले सूती कपड़े पहनें, जिनका रंग हल्का हो। बाहर निकलते समय अपने सिर को कपड़े, टोपी या छाते से ढककर रखें।

छिटपुट आंधी-तूफान, बिजली गिरने, तेज हवाओं और ओलावृष्टि की आशंका के चलते संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 21 मई को ओडिशा में; 21 से 25 मई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, 22 से 25 मई के दौरान रायलसीमा और आंतरिक कर्नाटक, 21 और 22 मई को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, 21 और 23 मई को बिहार, 23 और 24 मई को झारखंड और 21 और 22 मई को जम्मू-कश्मीर में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।

संभावित प्रभाव:

- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज हवाओं के कारण कमजोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

भारी/ बहुत भारी वर्षा के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

- ❖ अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में 21, 22, 26 और 27 मई को, त्रिपुरा में 21 मई को, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 23 से 25 मई के दौरान, तमिलनाडु में 21 से 27 मई के दौरान, केरल और माहे में 21 और

24 से 27 मई के दौरान, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 22 से 25 मई के दौरान, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 21 और 22 मई को, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 25 से 27 मई के दौरान, बिहार में 21 और 24 मई को भारी वर्षा की संभावना है; और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 23 मई को कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा की संभावना है; अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में 21 और 23 से 25 मई के दौरान; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 21, 22 और 24 मई को अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा की संभावना है।

संभावित असर

- ❖ सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़ आना, निचले इलाकों में जलभराव होना और मुख्य रूप से शहरी इलाकों में अंडरपास का बंद होना।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी विजिबिलिटी (दृश्यता) में कमी आना।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में ट्रैफिक में रुकावट आना, जिससे यात्रा का समय बढ़ सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा-बहुत नुकसान पहुंचना।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) को नुकसान पहुंचने की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ खिसकने/जमीन धंसने की घटनाएं।
- ❖ कुछ इलाकों में जलभराव के कारण बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचना।
- ❖ इसके कारण कुछ नदी-घाटियों में नदियों में बाढ़ आ सकती है (नदियों में बाढ़ की जानकारी के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए कदम

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।

ऊष्ण लहर/ भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ इस सप्ताह उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के मैदानी इलाकों और उससे सटे पूर्वी भारत में ऊष्ण लहर से भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

चेतावनी वाले क्षेत्र

- ❖ तापमान अधिक रहने और लू से जुड़ी बीमारियों के लक्षणों की संभावना उन लोगों में ज्यादा है, जो लंबे समय तक धूप में रहते हैं या भारी शारीरिक काम करते हैं।
- ❖ कमजोर लोगों (जैसे: शिशु, बुजुर्ग और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोग) के लिए स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चिंताएँ हो सकती हैं।
- ❖ धूप में निकलने से बचें - शरीर को ठंडा रखें। शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) न होने दें।
- ❖ पर्याप्त मात्रा में पानी पिएँ - भले ही आपको प्यास न लगी हो।
- ❖ शरीर में पानी की कमी पूरी करने (हाइड्रेटेड रहने) के लिए ORS, या घर पर बने पेय पदार्थ जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और बिहार में फलों के बागानों और सब्जी वर्गीय फसलों को क्षति से बचाने के लिए हेलनेट या हेलकैप का उपयोग करें।

- जलभराव से बचने के लिए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। परिपक्व फलों की जल्द से जल्द तुड़ाई करें और कटाई के बाद उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह** में नारियल के बागानों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें और क्यारियों के आसपास पानी जमा होने से रोकथाम करें।
- **पश्चिम बंगाल और सिक्किम** में चावल, मक्का, सरसों और आलू की पूरी कटाई। खड़ी फसलों में जल निकासी का उचित प्रबंध रखें।
- **असम और मेघालय** में, फसलों के खेतों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकालने के लिए ज़रूरी इंतज़ाम करें।
- **त्रिपुरा** में, पके हुए बोरो चावल की कटाई कुछ समय के लिए टाल दें और जो फसल पहले ही काटी जा चुकी है, उसे सुरक्षित और सूखी जगह पर ले जाकर रख दें।
- **केरलम** में केले, नारियल और अन्य सब्जियों के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। केले के पौधों को सहारा प्रदान करें।
- **तमिलनाडु** में, उड़द, हरी मूंग, गन्ना और अन्य सब्जियों की खेती में जल संचय को रोकने के लिए उचित जल निकासी बनाए रखें।
- **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक** में, धान के खेतों, सुपारी और आम के बगीचों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।

उच्च तापमान/ऊष्ण लहर के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **उत्तराखंड में:** सूरजमुखी, चारा मक्का, टमाटर, बैंगन आदि में सिंचाई प्रदान करें।
- **पंजाब** में सब्जियों, मूंग के बागों और प्याज की नर्सरियों में हल्की और नियमित सिंचाई करें।
- **हरियाणा** में गन्ने, कपास और ग्रीष्मकालीन चारा फसलों में पर्याप्त सिंचाई बनाए रखें। धान की नर्सरी की तैयारी पूरी करें और सुनिश्चित सिंचाई सुविधाओं का प्रबंध करें तथा नई बोई गई फसलों में जल संकट को कम करने के लिए मल्लिचंग/नमी संरक्षण पद्धतियों को अपनाएं।
- **उत्तर प्रदेश** में, मक्का, मूंग, काली मूंग, गन्ना, सूरजमुखी, सब्जियां और आम, केला और पपीता जैसे फलों की खड़ी फसलों के लिए नियमित सिंचाई और मल्लिचंग करें।
- **राजस्थान** में मूंग, लौकी, कद्दू, तोरी, खीरा, करेला, भिंडी, पालक और आम, आंवला, अनार, बेल और बेर जैसे युवा फलदार पौधों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। वाष्पीकरण से जल हानि को कम करने के लिए मिट्टी की मल्लिचंग/पुआल/पॉलीथीन से मल्लिचंग करें।
- **बिहार** - खड़ी फसलों में हल्की और बार-बार सिंचाई करें। मिट्टी की नमी के नुकसान को कम करने के लिए फसल के अवशेष, पुआल या पॉलीथीन से मल्लिचंग करें। फलों के पौधों को अधिक तापमान से बचाने के लिए अस्थायी शेड नेट का उपयोग करें।
- **ओडिशा में** - बोरो धान, ग्रीष्मकालीन मक्का, हरा चना, काला चना, मूंगफली और सब्जी के खेतों में हल्की सिंचाई प्रदान करें। सुनिश्चित करें कि आम और काजू की फसलों में मिट्टी में पर्याप्त नमी बनी रहे।
- **मध्य प्रदेश** में, मक्का, मूंग, उड़द, मूंगफली और सब्जियों की फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें।
- **छत्तीसगढ़** में - रबी मक्का, केला और पपीते के बागानों में खरपतवार निकालने और गुड़ाई करने के बाद हल्की सिंचाई करें। गेहूं और चने की कटाई पूरी करें, और उनके सुरक्षित भंडारण को सुनिश्चित करें।
- **महाराष्ट्र - विदर्भ** में, सब्जियों और फलों के बागों को सुबह या शाम के समय हल्की और बार-बार सिंचाई दें; पौधों के विकास के महत्वपूर्ण चरणों के दौरान सिंचाई की आवृत्ति बढ़ा दें। गन्ने, गर्मियों की मूंगफली, सब्जियों और फलों के बागों को

आवश्यकतानुसार सिंचाई दें; सब्जियों और फलों के बागों में जैविक या पुआल की मलच का उपयोग करें; केले के गुच्छों को पत्तों से ढकें; और नए लगाए गए केले के बागों में शेड नेट का उपयोग करें।

- **तेलंगाना में** - आवश्यकतानुसार आम के बागों और सब्जियों की फसलों को सिंचाई प्रदान करें।
- **तटीय आंध्र प्रदेश क्षेत्रों में** गर्म और आर्द्र परिस्थितियों का सामना करने वाले क्षेत्रों में, मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए ग्रीष्मकालीन फसलों और सब्जियों में हल्की सिंचाई करें।
- खड़ी फसलों में मिट्टी की नमी को बनाए रखने के लिए मल्लिचंग करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- ओलावृष्टि/ भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को स्वच्छ, साफ और पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।
- तटीय राज्यों (विशेषकर तमिलनाडु और केरल) के मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी जाती है।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

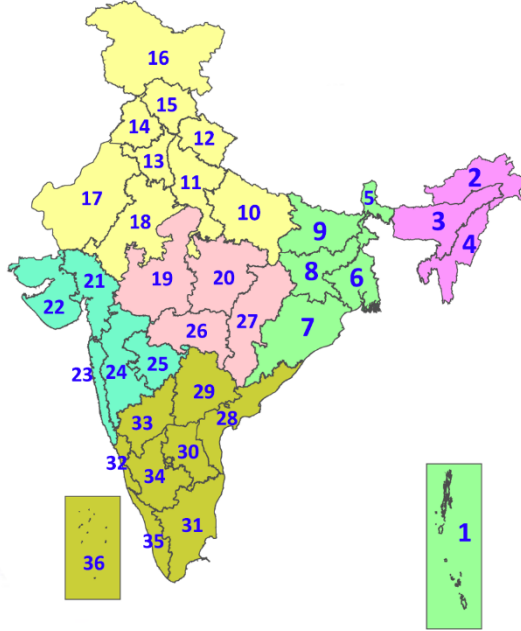
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला: NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Snow



Cold Wave



Heavy Rain



Dust Storm



Cold Day



Very Heavy Rain



Heat Wave



Ground Frost



Extremely Heavy Rain



Warm Night



Thunder & Lightning



Hot Day



Hailstorm



Hot & Humid



Dust Raising Winds



Strong Surface Winds

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^\circ\text{C}$ for plains and $\geq 30^\circ\text{C}$ for hilly regions

(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^\circ\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^\circ\text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^\circ\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^\circ\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^\circ\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^\circ\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^\circ\text{C}$ for plains and $\leq 0^\circ\text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^\circ\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^\circ\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^\circ\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^\circ\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^\circ\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^\circ\text{C}$ for plains and $\leq 0^\circ\text{C}$ for hilly regions

Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^\circ\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^\circ\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)